(ग) ये बसें राज्यों ने सीधी मंगवाई थीं या केन्द्रीय सर ार के मार्फत; और

(घ) मय सीमा शुल्क, यदि लगा हो, और इनको लाने में लगे किराए के, प्रत्येक प्रकार की बस की कीमत कितनी पड़ी ?

t [IMPORT OF MOTOR BUSES

153. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the number of fully equipped <i) single decker, and (ii) double-decker motor buses, operated by petrol and by diesel oil, imported into India after Independence;

(b) the State-wise distribution of these buses;

(c) whether the buses were ordered by the State Governments direct or.through the Central Government; and

(d) the cost of each kind of these buses, including transport charges and custom duty, if any?]

वाणिज्य और उद्योग मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णमाचारी): (क) एक विवरण संलग्न हैं, जिसमें पूर्ण रूप से सज्जित मोटर, ओमनी बसों, लारियों और मोटर गाड़ियों का भारत में हुआ आयात दिखाया गया हैं। पैट्रोल, तथा डीजल आयल से चलने वाली, एक और दो तल की बसों के बारे में अलग जानकारी उपलब्ध नहीं हैं।

(ख), (ग) और (घ), ठीक ठीक जानकारी उपलब्ध नहीं हैं।

विवरण

(संख्या)

(मूल्य ००० रु० में)

अवधि	मात्रा	मूल्य
१९४७-४८	७६९	३३,५८
१९४८-४९	१०,४१	५२,४८
१९४९-५०	१०,४२	७०,४९
१९५०-५१	७२३	४७,२३
१९५१-५२	७८	९,७२
१९५२-५३	११२	८,३३
१९५३-५४	१७,८३	१,११,७४
१९५४-५५	३५८	३१,८९
१९५५-५६ (अप्रैल से जून १९५५)	१०८	१०,०२

f [THE MINISTER FOR COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI T. T. KRISH-NAMACHARI) : (a) A statement showing the number of fully equipped motor omnibuses, vans and lorries imported into India is attached. Separate information in regard to single and double decker buses operated by petrol and by diesel oil, is not available.

(b), (c) and (d). Precise information is not available.

STATEMENT

(*Quantity in Numbers*)
(*Value in '000 of Rs.*)

Period	Quantity	Value
1947-48	769	33.58
1948-49	1,041	52,18
1949-50	1,042	70,49
1950-5	723	47.23
1951-52	78	9,72
1952-53	112	8,33
1953-54	1,783	1,11,74
1954-55	358	31,89
1955-56 (April—June 1955)	108	10,02]

SECOND FIVE YEAR PLAN OF ORISSA STATE 154. SHRI S. PANlGRAHI: Will the Minister for PLANNING be pleased to state:

(a) whether Government have received the draft of the Second Five Year Plan from the Government of Orissa relating to that State; and

(b) if so, what is the amount of aid asked for by that State Government?

THE DEPUTY MINISTER FOR PLANNING (SHRIS.N.MISHRA): (a) v Yes. The draft Second Five Year Plan of Orissa was discussed by the State representatives with thfe Planning Commission and the Central Ministries on the 18th and 19th August.

(b) No request in specific terms has been made by the State Government.

+English translation.

but the subject of Central assistance for State plans is being studied in the Planning Commission and the Ministry of Finance.

EXPORT OF PALM GUR

155. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister for PRODUCTION be pleased to state:

(a) the quantity of palm gur pro duced in India in the year 1954; and

(b) how much of it was exported and to which countries during the same year?

THE MINISTER FOR PRODUCTION (SHRI K. C. REDDY): (a) The production of palm gur in the country for the year 1954 is estimated: at 19,10,000 mds.

(b) Information is not available, as export statistics for palm gur are not separately maintained.

t [INDIAN PILGRIMS TO KAILASH AND MANSAROVER

काश्मीर और मानसरोवर जाने वाले भारतीय यात्री

१५६. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों में प्रति वर्ष कैलाश व मानसरोवर जाने वाले भारतीय यात्रियों की संख्या क्या है;

(ख) क्या इस अवधि में तिब्बत में किन्हीं यात्रियों को परेशान किया गया था ; और

(ग) यदि हां, तो इस परेशानी को हटाने के लिये सरकार ने क्या कारवाई की ?

156. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of Indian pilgrims who visited Kailash and Mansarover during each of the last five years;

(b) whether during this period any pilgrims were harassed in Tibet; and

(c) if so, what action was taken by Government to stop this harassment?]

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू): क, ख और ग. उत्तर प्रदेश सरकार से मिले आंकड़ों के मुताबिक १९५२, १९५३, १९५४ में क्रमशः ३१६, २९३ और ११८३ तीर्थयात्री कैलाश और मानसरोवर को गये। १९५२ से पहले के सही आंकड़े नहीं मिले हैं ।

तीर्थयात्रियों की परेशानी के बारे में हमारे पास कोई रिपोर्ट नहीं आई है । यात्रियों को सरहदी जांच चौकियों पर मामूली जांच के बाद जाने दिया जाता है । पश्चिमी तिब्बत में भारतीय व्यापारी एजेन्ट, यात्रियों के हितों की देखभाल करता है ।

t[THE PRIME MINISTER AND MINISTER FOR EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU) r (a), (b) and (c). According to the figures furnished by the State Government 316, 293 and 1,183 pilgrims went to Kailash and Mansarover during the years 1952, 1953 and 1954 respectively No authentic figures prior to 1952 are available.

No reports regarding harassment of pilgrims have been received by us. The pilgrims are allowed to travel after normal scrutiny at the border checkposts. The Indian Trade Agent in Western Tibet looks aftor the interests of our pilgrims.]

दिल्ली में १९५५ में होने वाला भारतीय उद्योग मेला

१५७. श्री नवाब सिंह चौहान: क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'फेडरेशन आफ इंडियन चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज' की ओर से इस वर्ष दिल्ली में अक्तूबर के महीने में जो भारतीय उद्योग मेला होने वाला है, उसकी व्यवस्था करने में सरकार की जिम्मेदारी कितनी होगी;

(ख) सरकार का इस आयोजन में कितनी आर्थिक और अन्य प्रकार की सहायता देने का विचार है; और

(ग) इस मेले की मुख्य विशेषताएं **क्या** होंगी ?